अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : आठवीं – (जैन धर्म भूषण) (परीक्षा 12 जुलाई, 2015)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए- 10x1=(10)

(a) त्रस जीव कितने प्रकार के बताए गए हैं:-

(क) 6 (ख) 7

(ग) 8 (घ) 9 ( )

(b) कितने प्रकार का अदत्त, मुनि के लिए जीवन भर के लिए वर्जित बताया गया है -

(क) 5 (ख) 3

(ग) 4 (घ) 6 ( )

(c) "विशेष रेखा न खींचे" निम्न में से किस शब्द का अर्थ है -

(क)न विलिहिज्जा (ख) न भिंदिज्जा

(ग) न घट्टिज्जा (घ) न आलिहिज्जा ( )

(d) देवों के कुल कितने दण्डक हैं -

(क) 10 (ख) 4

(ग) 1 (घ) 13 ( )

(e) ज्योतिष देवों में कौन सी लेश्या पाई जाती है -

(क) कृष्ण (ख) नील

(ग) कापोत (घ) तेजो ( )

(f) पाँचवें देवलोक की उत्कृष्ट स्थिति है -

(क) 25 सागरोपम (ख) 26 सागरोपम

(ग) 27 सागरोपम (घ) 28 सागरोपम ( )

(g) 30 अकर्म भूमि में कितने उपयोग पाये जाते हैं -

(क) 6 (ख) 7

(ग) 8 (घ) 9 ( )

(h) "उवसमेण हणे कोहं" गाथा किस सूत्र से ली गई है -

(क) उत्तराध्ययन (ख) दशवैकालिक

(ग) भगवती (घ) नन्दी सूत्र ( )

(i) महाबल मुनि को किसके सेवन से स्त्रीरूप बनना पड़ा -

(क) लोभ (ख) माया

(ग) मान (घ) क्रोध ( )

(j) वीर स्तुति में कुल कितनी गाथाएँ हैं -

(क) 41 (ख) 29

(ग) 39 (घ) 28 ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) अंगार के सूक्ष्म कण में संख्यात जीव हैं। ( )

(b) जीव-अजीव को नहीं जानने वाला संयम-धर्म का विधिवत् पालन नहीं कर सकेगा। ( )

(c) नवग्रैवेयक एक लाख योजन तक उत्तर वैक्रिय करते हैं। ( )

(d) वनस्पतिकाय की उत्कृष्ट अवगाहना 10,000 योजन झाझेरी है। ( )

(e) तेऊकाय की स्थिति तीन अहोरात्रि की है। ( )

(f) सन्नी तिर्यञ्च में तेरह योग पाये जाते हैं। ( )

(g) युगलिक मनुष्यों के कुल 30 भेद हैं। ( )

(h) तीन विकलेन्द्रिय दण्डक की अपेक्षा से दस दण्डक से आवे तथा 22 दण्डक में जावे। ( )

(i) अनन्तानुबन्धी क्रोध सम्यक्त्व का घात करता है। ( )

(j) सभी समुद्रों में स्वयम्भूरमण समुद्र प्रधान है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मैं भूमि फोड़कर उत्पन्न होने वाला जीव हूँ। .....

(b) मेरे कारण पाप कर्म का बन्ध होता है। .....

(c) मैं ऐसा देव हूँ जिसमें केवल सम्यग्दृष्टि ही पाई जाती है। .....

(d) मुझमें चार योग पाये जाते हैं। .....

(e) मेरे कारण साधुपने को प्राप्त नहीं किया जा सकता। . .....

(f) मेरे कारण विनय, सेवा आदि गुण नष्ट होते हैं। .....

(g) मैं सभी देवताओं में श्रेष्ठ हूँ। .....

(h) सूर्य आदि ज्योतिषी विमान मेरी परिक्रमा करते हैं। .....

(i) मैं सभी वृक्षों में श्रेष्ठ हूँ। .....

(j) मैं 15 भवों से अधिक भव नहीं करता। .....

प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिए गए हैं, उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए : - **10x1=(10)**

(a)	वायुकाय	-	श्रावक व्रत	.....
(b)	असणं	-	माया	.....
(c)	संयम	-	ज्योतिमान	.....
(d)	सन्नी तिर्यंच पंचेन्द्रिय में योग	-	उत्तीर्ण	.....
(e)	बेइन्द्रिय की उत्कृष्ट अवगाहना	-	रात्रि भोजन	.....
(f)	अप्रत्याख्यानी	-	7 बोल	.....
(g)	नागिन	-	9	.....
(h)	शकेन्द्र	-	तनवात	.....
(i)	आराधक	-	17	.....
(j)	सम्यक्त्व	-	12 योजन	.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक - दो वाक्यों में दीजिए - **12x2=(24)**

निम्न गाथाओं के भावार्थ लिखिए .....

(a) सव्व भूयप्पभूयस्स, संमं भूयाई पासओ।
पिहियासवस्स दंतस्स, पावं कम्मं न बंधई।।

.....

.....

.....

(b) जया धुणइ कम्मरयं, अबोहिकलुसं कडं।
तथा सव्वत्तगं नाणं, दंसणं चाभिगच्छइ।।

.....

.....

.....

(c) शब्दों के अर्थ लिखिए -
आयाविज्जा, निव्वाविज्जा, चिट्ठाविज्जा, गोच्छगंसि

.....

.....

.....

(d) छठे व्रत में मुनि क्या प्रतिज्ञा करते हैं?

.....

.....

.....

(e) सन्नी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की स्थिति लिखिए।

.....

.....

.....

(f) पाँच स्थावर में कौन-कौन से योग पाये जाते हैं?

.....

.....

.....

निम्न गाथा को पूर्ण कीजिए -

(g) से सव्वदंसी .....

.....

..... अणाऊ।।

(h) पुट्ठे .....

.....

.....

..... महिन्दा।।

(i) निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए -

विसोहइत्ता, थणियं, अणवज्जं, सलिलाणं

.....

.....

(j) निम्न गाथा का भावार्थ लिखिए -

पुढोवमे धुणई विगयगेही, न सण्णिहिं कुव्वइ आसुपन्ने।

तरिउं समुद्दं व महाभवोघं, अभयंकरे वीर अणंत चक्खू।।

.....

.....

.....

(k) उत्कृष्ट आराधना का नाम, अर्थ एवं फल लिखिए -

.....

.....

.....

(l) मात्र मृत्यु के समय सम्यग्दृष्टि रह जाना आराधना का मूल आधार नहीं है।कैसे?

.....

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए - **(12X3=36)**

(a) निम्न गाथा का भावार्थ लिखिए -

पच्छावि ते पयाया, खिप्पं गच्छन्ति अमरभवणाइं।

जेसिं पिओ तवो संजमो य, खंती य बंभचेरं य।।

.....

.....

.....

.....

(b) निम्न रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

इच्चेसिं छण्हं .....

.....

.....

..... समणुजाणामि।

(c) चतुर्थ महाव्रत में मुनि क्या प्रतिज्ञा करते हैं? समझाइए।

.....

.....

.....

.....

.....

(d) **निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए-**

(1) पाण भूयाइं, (2) जयमासे, (3)उभयंपि, (4)वियाणंतो, (5) निव्विंदए, (6) अबोहिकलुसं

.....

.....

.....

.....

.....

(e) लघुदण्डक की दो संग्रहणी गाथाएँ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(f) **ज्योतिष देवों का स्थिति लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(g) गर्भज मनुष्य में अवगाहना द्वार लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(h) नारकी-देवों में लेश्या द्वार समझाइए।

.....

.....

.....

.....

.....

(i) क्रोध विजय से क्या लाभ है?

अथवा

मान को कैसे जीता जा सकता है? उपाए लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(j) गाथाओं को पूर्ण कर उसका भावार्थ लिखिए

सयं, ...।

..... सहस्समेगं।।

भावार्थ .....

.....

.....

कोहं च .....।

..... कारवेइं ।।

भावार्थ .....

.....

.....

(k) आराधना से सम्बन्धित प्रथम तीन फलित सिद्धान्त लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....